



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 15 नवम्बर, 2003/24 कार्तिक, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त बिलासपुर, जिला बिलासपुर (हि० प्र०)

शुद्धिपत्र

बिलासपुर, 30 सितम्बर, 2003

संख्या बी०एल०पी०पंच-6-16/79-II-2744-50.—इस कार्यालय द्वारा जारी आदेश संख्या बी०एल०पी०पंच-6-16-97-III-2498-2504, दिनांक 9-9-2003 के पश्चात् ग्राम पंचायत बामटा के वार्ड सदस्य वार्ड नं०-4 बामटा तथा ग्राम पंचायत बिनौला के वार्ड नं०-4 के पद रिक्त घोषित किए गये थे। इस कार्यालय आदेश की अनुसूची के क्रम संख्या-2 पर ग्राम पंचायत बिनौला के पंच वार्ड नं०-4 बिनौला के स्थान पर पंच वार्ड नं०-4 सुंगल पढ़ा जाये।

## कारण बताओ नोटिस

बिलासपुर, 7 अक्तूबर, 2003

संख्या बी० एल० पी०-पंच-2346-50.--यह कि श्रीमती सरस्वती देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत सलोआ, विकास खण्ड सदर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश की ग्राम पंचायत सलोआ के परिवार रजिस्टर भाग-1 की प्रति अनुसार दो सन्तानें हैं, जिसमें एक लड़की दिनांक 31-5-1999 को तथा दूसरा लड़का दिनांक 22-4-2001 को जन्मा अंकित है। श्रीमती सरस्वती देवी के घर तीसरी सन्तान दिनांक 15-5-2003 को लड़का पैदा हुआ है जिसकी पुष्टि ग्राम पंचायत द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र से की गई है।

और यह कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार कोई व्यक्ति पंचायत पदाधिकारी चुने जाने या होने के लिये निरहित होगा :—

“यदि उसके दो से अधिक सन्तान हैं। परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी, जिसके, अथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान हैं जब तक उसकी एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।”

और यह कि उक्त श्रीमती सरस्वती देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत सलोआ, के हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के संख्यांक 18 के दिनांक 8-6-2001 से लागू होने के उपरान्त दिनांक 15-5-2003 को तीसरी सन्तान पैदा हुई है जिसके फलस्वरूप उक्त श्रीमती सरस्वती देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत सलोआ, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधानानुसार पंचायत पदाधिकारी होने के योग्य नहीं रहती।

अतः मैं, सुभाषीश पांडा, उपायुक्त बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) (ii) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती सरस्वती देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत सलोआ, को एतद्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ तथा उन्हें अवसर प्रदान करता हूँ कि वे इस नोटिस के जारी होने के एक सप्ताह के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा उनके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

सुभाषीश पांडा,  
उपायुक्त,  
बिलासपुर, जिला बिलासपुर (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय, आदेश

चम्बा-176310, 30 सितम्बर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-(5) 2/98-1226-30.--चूँकि खण्ड विकास अधिकारी मंथला के पत्र संख्या-1404, दिनांक 14 जुलाई, 2003 द्वारा प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधारे पर पाया गया कि श्री चमन सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत बख्तपुर, मास दिसम्बर, 2002 के बाद से पंचायत की बैठकों में मास 4/2003 तक उपस्थित नहीं हुआ तथा पंचायत के कार्यों में बाधा डालता रहता है तथा दिनांक 15-1-2003 तथा दिनांक 15-1-2003 को पंचायत की बैठकों

में उप-प्रधान ने उपस्थिति में अपने हस्ताक्षर न करके कार्यवाही में नोट लिखकर अपने हस्ताक्षर किये व काट-छांट भी की है। निम्न विवरण अनुसार पंचायत की बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं:—

क्रम सं०	नाम	बैठकों की संख्या	बैठकों में अनुपस्थिति
1.	15-1-2003	1	अनुपस्थिति
2.	26-1-2003	1	-उक्त-
3.	15-2-2003	1	-उक्त-
4.	13-3-2003	1	-उक्त-
5.	28-3-2003	1	-उक्त-
6.	27-4-2003	1	-उक्त-

6

उपरोक्त के अन्तर्गत इस कार्यालय के पत्र संख्या पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-968-74, दिनांक 16-7-2003 द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जिसका उत्तर उक्त प्रधान द्वारा दिनांक 31-7-2003 को कार्यालय में प्राप्त हुआ जो तथ्यों के आधार पर नहीं पाया गया। जैसा कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (ख) में प्रावधान है कि पंचायत या इसकी समितियों में लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है या पंचायत की स्वीकृति के बिना छः मास की कालावधि के दौरान की गई बैठकों की आधी संख्या में उपस्थित नहीं होता।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा०प्र०से०) उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 की उप-धारा (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अधीन श्री चमन सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत बख्तपुर को उसके पद से निष्काशित करता हूँ तथा उप-प्रधान बख्तपुर, विकास खण्ड मैहला का पद रिक्त घोषित करता हूँ।

चम्बा-176310, 8 अक्तूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 10-2002-11-1280-1286.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी के पत्र 1999, दिनांक 31-8-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री कमलजीत, पंचायत समिति सदस्य औसल वार्ड ..... के दिनांक 2-6-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत औसल के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या.... के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण 2/रि. 2-6-2003 में दर्ज है। इस प्रकार श्री कमलजीत की चौथी सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या (18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री कमलजीत पंचायत समिति सदस्य, ग्राम पंचायत औसल के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16)-10-2002-II-1142-46, दिनांक 10-6-2003 द्वारा श्री कमलजीत पंचायत समिति सदस्य ग्राम पंचायत औसल को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे कुछ नहीं कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा०प्र०से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री कमल जीत, पंचायत समिति सदस्य ग्राम पंचायत औसल, विकास खण्ड भटियाल के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत औसल

पद रिक्त घोषित करते हुये उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत औसल का कोई अभिलेख, धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत औसल को सौंप दें।

चम्बा-176310, 8 अक्टूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा (16) 10-2002-1287-1294—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी भटियात पत्र, दिनांक 31-8-2003 के अन्तर्गत दो गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री कुवेर सिंह, वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत हिमगिरी वार्ड . . . के दिनांक 4-1-2002 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत हिमगिरी के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या . . . के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत हिमगिरी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण 1, 16-1-2002 में दर्ज है। इस प्रकार श्री कुवेर सिंह, वार्ड सदस्य की चौथी सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या (18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री कुवेर सिंह, वार्ड सदस्य ग्राम पंचायत हिमगिरी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16)-10-2002-I-1142-46, दिनांक 10-9-2003 द्वारा श्री कुवेर सिंह, सदस्य वार्ड . . . ग्राम पंचायत हिमगिरी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे में कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे में कोई भी कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0प्र0से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री कुवेर सिंह, वार्ड सदस्य ग्राम पंचायत हिमगिरी, विकास खण्ड सलूणी के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत हिमगिरी का सदस्य वार्ड . . . पद घोषित करते हुये उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत हिमगिरी का कोई अभिलेख, धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत हिमगिरी को सौंप दें।

चम्बा, 8 अक्टूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 18/79-82-II-1246-1251.—चूँकि खण्ड विकास अधिकारी तीसा, जिला चम्बा की जांच रिपोर्ट पत्र संख्या-3081, दिनांक 16-12-2003 के अन्तर्गत श्री जय दियाल, प्रधान, ग्राम पंचायत देवी कोठी, विकास खण्ड तीसा के दिनांक 26-4-02 को लड़के का जन्म हुआ है जिसका इन्द्राज प्रधान द्वारा जानबूझ कर नहीं करवाया गया है दिनांक 14-7-2003 व 31-7-2003 को हुई जांच रिपोर्ट अनुसार श्री जय दियाल, प्रधान, ग्राम पंचायत देवी कोठी ने अपने ब्यान में यह व्यक्त किया है कि उसने अपनी पत्नी श्रीमती कमली को 18-4-02 को न्यायालय द्वारा तलाकनामा दे रखा है तथा पूर्व पत्नी से अब कोई सम्बन्ध नहीं है परन्तु शिकायतकर्ताओं 1. श्री कर्म चन्द, 2. श्री लछमी राम, 3. श्री हरि सिंह तथा 4. श्री सुरेन्द्र कुमार के ब्यानों अनुसार उक्त प्रधान के पत्नी के सम्बन्ध अभी भी बरकरार हैं और जो अतिरिक्त सन्तान पैदा हुई है वह प्रधान की अपनी सन्तान है और जिसे प्रधान जानबूझ कर पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं करवा रहा है।

क्योंकि हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 से लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान हैं तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप उक्त के बारे में अपना पक्ष पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर स्पष्ट करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।



चम्बा, 8 अक्तूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16)-10-2002-II-1252-1258.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी भरमौर के पत्र सं० दिनांक . . . . . के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री वरफी राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत सांह, के दिनांक 27-7-2001 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत सांह के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या . . . के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत सांह के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण सं० 36, 30-5-2002 में दर्ज है। इस प्रकार श्री वरफी राम, उप-प्रधान की तीसरी सन्तान है जोकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री वरफी राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत सांह के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुका है।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए(16)-10-02-II-1142-46, दिनांक 10-9-2003 द्वारा श्री वरफी राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत सांह को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे कुछ नहीं कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री वरफी राम, उप-प्रधान ग्राम पंचायत सांह, विकास खण्ड भरमौर के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत सांह का उप-प्रधान पद रिक्त घोषित करते हुये उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत सांह के अभिलेख, धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत सांह को सौंप दें।

चम्बा, 8 अक्तूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा (16) 10-2002-II-1266-1272.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी भटियात पत्र सं० 1999 दिनांक 31-8-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्रीमती पिकी देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत काहरी, वार्ड . . . के दिनांक 27-1-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत काहरी के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या . . . के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत काहरी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण 4, 12-2-2003 में दर्ज है इस प्रकार श्रीमती पिकी देवी, सदस्या की चौथी सन्तान जोकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्यांक-18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्रीमती पिकी देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत काहरी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुकी है।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16)-10-02-II-1142-46, दिनांक 10-9-2003 द्वारा श्रीमती पिकी देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत काहरी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे किसी भी किस्म का जवाब प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे कुछ नहीं कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती पिकी देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत काहरी, विकास खण्ड भटियात के पद पर पदासीन रहना समाप्त करना हूँ तथा ग्राम पंचायत काहरी के सदस्य पद को रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत का कोई अभिलेख, धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो उस तुरन्त ग्राम पंचायत काहरी को सौंप दें।

चम्बा-176 310, 8 अक्टूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा (16) 10-2002-II-1259-1265.—जैसेकि खण्ड विकास अधिकारी भटियात पत्र संख्या 1999, दिनांक 31-8-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्रीमती गिलमो, वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत बलेरा, वार्ड . . . के दिनांक 27-7-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत बलेरा के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या . . . के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत बलेरा के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण 2, 10-8-2003 में दर्ज है। इस प्रकार श्रीमती गिलमो की यह चौथी सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्यांक 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्रीमती गिलमो वार्ड सदस्य ग्राम पंचायत बलेरा के पद हेतु पदासीन रहने के आयोग्य हो चुकी हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16)-10-02-II-1142-46, दिनांक 10-9-2003 द्वारा श्रीमती गिलमो, वार्ड सदस्या, ग्राम पंचायत बलेरा को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे कुछ नहीं कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती गिलमो, वार्ड सदस्या ग्राम पंचायत बलेरा, विकास खण्ड भटियात के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत बलेरा का वार्ड सदस्य पद रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत बलेरा का अभिलेख, धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो तुरन्त ग्राम पंचायत बलेरा को सौंप दें।

चम्बा-176 310, 8 अक्टूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा-ए (16) 10-02-II-1273-1279.—जैसेकि खण्ड विकास अधिकारी पत्र भटियात संख्या 1999, दिनांक 31-8-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्री देस राज, सदस्य, ग्राम पंचायत घटासनी, वार्ड 2 के दिनांक 14-3-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत घटासनी के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या . . . के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत घटासनी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण 5, 26-3-2003 में दर्ज है। इस प्रकार श्री देस राज, सदस्य, वार्ड 2 की चौथी सन्तान हुई है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्यांक 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री देस राज, सदस्य ग्राम पंचायत घटासनी के पद हेतु पदासीन रहने के आयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16)-10-02-II-1142-46, दिनांक 10-9-2003 द्वारा श्री देस राज, सदस्य, ग्राम पंचायत घटासनी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे कुछ नहीं कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री देस राज, सदस्य, ग्राम पंचायत घटासनी, विकास खण्ड भटियात के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत घटासनी का सदस्य वार्ड 2 के पद को रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत घटासनी का अभिलेख धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत घटासनी को सौंप दें।

चम्बा, 9 अक्टूबर, 2003

क्रमांक पंच-चम्बा (16) 10-02-II-1295-1301.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी मैहला के पत्र दिनांक 18-8-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री कर्मी, वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत दहतपुर, वार्ड गलू के

दिनांक ... को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत बख्तपुर के परिवार रजिस्टर पृष्ठ संख्या ... के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत बख्तपुर के जन्म एवं मृत्यु सं० रजिस्ट्रीकरण 149 में दर्ज है इस प्रकार श्री कर्मा ग्राम पंचायत सदस्य की पांचवीं सन्तान है जोकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्यांक-18) के अन्तर्गत संशोधित धारा-122 की उप-धारा (1) खण्ड (ग) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री कर्मा, सदस्य, ग्राम पंचायत बख्तपुर के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16)-10-02-II-1142-46, दिनांक 10-9-2003 द्वारा श्री कर्मा, सदस्य, ग्राम पंचायत बख्तपुर को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे स्पष्ट होता है कि उन्हें इस बारे कुछ नहीं कहना है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री कर्मा, सदस्य, ग्राम पंचायत बख्तपुर विकास खण्ड मैहला के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत बख्तपुर का वार्ड गलू का पद रिक्त घोषित करते हुए उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत बख्तपुर कोई अभिलेख, धन या अचल-चल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत बख्तपुर को सौंप दें।

राहुल आनन्द,  
उपायुक्त,  
चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त हमीरपुर, जिला हमीरपुर (हि० प्र०)

अधिसूचना

हमीरपुर, 26 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-हमीर-1/2003-4221-47.—मैं, देवेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त, हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अधीन, जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2)(4) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, इस जिला की निम्नलिखित पंचायती राज संस्थाओं के पदाधिकारियों के त्याग-पत्रों/मृत्यु के कारण उनके पद रिक्त घोषित करता हूँ :—

क्रम संख्या	जिला/विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	कारण
1	2	3	4	5	6
1.	हमीरपुर/बिझड़ी	सोहारी	रतन चन्द	पंच वार्ड नं० 3	त्याग-पत्र
2.	-उक्त-	बल्याह	प्रकाश चन्द	पंच वार्ड नं० 1	त्याग-पत्र
3.	हमीरपुर/बमसन	खनौली	सूरजन सिंह	पंच वार्ड नं० 4	त्याग-पत्र

1	2	3	4	5	6
4.	हमीरपुर/नादौन	अलाण	अजय कुमार	पंच वार्ड नं० 3	त्याग-पत्र
5.	हमीरपुर/सुजानपुर	पटलान्दर	शंकर दास	पंच वार्ड नं० 4	त्याग-पत्र
6.	हमीरपुर/नादौन	लाहड़ कोटलू	सूहड़ू राम	पंच वार्ड नं० 5	मृत्यु
7.	-उक्त-	धनेटा	कमल नन्दा	प्रधान	मृत्यु
8.	-उक्त-	पन्याली	हरी राम	पंच वार्ड नं० 3	मृत्यु
9.	हमीरपुर/सुजानपुर	वाड़ला	करतार चन्द	पंच वार्ड नं० 4	मृत्यु
10.	हमीरपुर/बमसन	सकान्दर	ब्रह्म दास	पंच वार्ड नं० 4	मृत्यु
11.	हमीरपुर/भोरन्ज	वाहनवी	प्रकाश चन्द धीमान	पंच वार्ड नं० 5	मृत्यु
12.	हमीरपुर/हमीरपुर	दड़ही	शेर मुहम्मद	पंच वार्ड नं० 7	त्याग-पत्र
13.	-उक्त-	पंचायत समिति हमीरपुर कुठेड़ा-10	मुन्शी राम	सदस्य पंचायत समिति वार्ड नं०-10 कुठेड़ा	मृत्यु

## नोटिस

हमीरपुर, 27 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-हमीर (बगेहड़ा)-4248-51.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी सुजानपुर ने अपने कार्यालय पत्र सं० 1530, दिनांक 23-7-2003 के अधीन ग्राम पंचायत बगेहड़ा का प्रस्ताव सं० 4 दिनांक 6-6-2003 भेजकर जिला पंचायत अधिकारी, हमीरपुर को सूचित किया है कि श्री प्रताप चन्द, पंच, वार्ड नं०-6, ग्राम पंचायत बगेहड़ा की बैठकों से दिनांक 24-3-2003 से लगातार बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रह रहा है।

और क्योंकि श्री प्रकाश चन्द, पंच, वार्ड नं०-6 ग्राम पंचायत बगेहड़ा के विरुद्ध उन द्वारा ग्राम पंचायत की बैठकों से अनुपस्थित रहने के आरोप पर कार्यवाही वांछित है।

अतः इससे पूर्व कि श्री प्रताप चन्द, पंच, वार्ड नं० 6, ग्राम पंचायत बगेहड़ा के विरुद्ध आगामी कार्यवाही की जाये, मैं, देवेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (ख) (2) के अन्तर्गत उन्हें नोटिस जारी करता हूं कि वह अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 27-10-2003 को ग्राम पंचायत की बैठकों में अनुपस्थिति के कारण स्पष्ट करने के लिए व्यक्तिगत रूप से सुनवाई हेतु पेश हों अन्यथा मामला एक तरफा निर्णित किया जाएगा।

हमीरपुर, 27 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-हमीर(अनु०)-4252-55.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी विशङ्गी ने अपने कार्यालय पत्र सं० 1166, दिनांक 19-7-2003 के अधीन ग्राम पंचायत कलोहण का प्रस्ताव सं० 4, दिनांक 24-6-2003 भेजकर जिला पंचायत अधिकारी, हमीरपुर को सूचित किया है कि श्री सुरेश कुमार, पंच, वार्ड नं० 6 समन, ग्राम पंचायत कलोहण की बैठकों से दिनांक 24-1-2002 से लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित रह रहा है।

और क्योंकि श्री सुरेश कुमार, पंच, वार्ड नं० 6 समन, ग्राम पंचायत कलोहण के विरुद्ध उन द्वारा ग्राम पंचायत की बैठकों से अनुपस्थित रहने के आरोप पर कार्यवाही वांछित है।

अतः इससे पूर्व कि श्री सुरेश कुमार, पंच, वार्ड नं० 6 समन, ग्राम पंचायत कलोहण के विरुद्ध आगामी कार्यवाही की जाये, मैं, देवेश कुमार (भा० प्र० से०), उपायुक्त हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (ख) (2) के अन्तर्गत उन्हें नोटिस जारी करता हूं कि वह अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 27-10-2003 को ग्राम पंचायत की बैठकों में अनुपस्थिति के कारण स्पष्ट करने के लिए व्यक्तिगत रूप से सुनवाई हेतु पेश हों अन्यथा मामला एक तरफा निर्णित किया जायेगा।

देवेश कुमार,  
उपायुक्त,  
हमीरपुर, जिला हमीरपुर (हि० प्र०)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)

कारण वताओ नोटिस

धर्मशाला-176215, 3 अक्तूबर, 2003

संख्या पंच के० जी० आर०-ई-6890-95.—ग्राम पंचायत हडल के अभिलेख की जिला अंशेक्षण अधिकारी (पंचायत), कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा समीक्षा करने उपरान्त राशि के दुरुपयोग/छलहरण के निम्न मामले प्रकाश में आये हैं:—

1. खण्ड विकास अधिकारी नरपुर से दिनांक 2-12-2002 को मु० 8001.00 रु० अनुदान निर्माण रास्ता स्कूल से मान सिंह हेतु प्राप्त हुआ, जिसे स्वेच्छा से आपके द्वारा निर्माण रास्ता सड़क से मान सिंह (मैरा) हेतु व्यय किया गया, जोकि गम्भीर अनियमितता है।
2. रोकड़ पृष्ठ 68 दिनांक 14-12-2002 को मु० 12160/- रु० 80 बैग सिमेन्ट का व्यय रास्ता सड़क से मान सिंह हेतु दर्ज किया गया। स्टोक सेंट्रियल रजिस्टर अनुसार उक्त कार्य हेतु बैग सिमेन्ट जारी ही नहीं किये गये और न ही 80 बैग सिमेन्ट स्टोक में शेष दर्शाये गये। स्पष्ट है कि मु० 12160.00 रु० का झूठा व्यय दर्ज करके राशि का छलहरण किया गया है। क्योंकि अंशेक्षण जांच तक कोई भी मस्ट्रोल प्रयोग में नहीं लाया गया था।

3. वर्ष 2002-2003 में ग्राम सभा के अनुमोदित बजट अनुसार मुरम्मत रास्ते हेतु मु0 10,000.00 रु0 का प्रावधान रखा गया था लेकिन आपके द्वारा मनमाने ढंग से अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुये मु0 10,000.00 रु0 रास्ता कपाड़ी पर व्यय कर दिया गया तथा बाद में अनुमोदित बजट की प्रति पर भी कांटछांट करवाई गई जोकि आपत्तिजनक एवं गम्भीर अनियमितता है ।
4. सामुदायिक भवन हडल में स्लैब डालने की मजदूरी मु0 2975.00 रु0 की अदायगी की गई जबकि नियमानुसार इसकी कोटेशन आमन्त्रित नहीं की गई, परिणामस्वरूप पंचायत को न्यूनतम दरों से वंचित रखकर क्षति हुई है ।
5. निर्माण चार कमरे हडल हेतु सिविल सप्लाय कारपोरेशन से सिमेन्ट क्रय न करके मु0 129.00 रु0 की अनियमित अदायगी की गई जोकि आपसे काबले वसूली है ।
6. मु0 1,00,000.00 रु0 अग्रिम धन भारी मात्रा में आपके द्वारा लिया गया जिसका समायोजन एवं वापसी वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर भी न किया जाना भी अपरोक्ष रूप से मु0 1,00,000.00 रु0 का अस्थायी दुरुपयोग का मामला है । मु0 2400.00 रु0 ब्याज आपसे वसूली योग्य है ।
7. आपके द्वारा अनाधिकृत रूप से नगद बाकी रखी गई जबकि नियमानुसार आप नगद बाकी के लिए सक्षम नहीं है । मु0 157 00 रु0 ब्याज आपसे वसूली योग्य है ।
8. मु0 4,000.00 रु0 वेतन तकनीकी सहायक वर्ष 2002-2003 से सभा निधि से भुगतान किया गया जबकि यह राशि विकास कार्यों हेतु प्राप्त अनुदान में से 1 प्रतिशत फुटकर व्यय काटकर वहन की जानी थी । मु0 4,000.00 रु0 का सभा निधि पर वृथा भार डाला गया है । अतः राशि आपसे वसूली योग्य है ।

अतः आपको हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1997 की धारा 145 (2) जिसे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 (1) (क) के साथ पढ़ा जाये, के अन्तर्गत यह कारण बताओ नोटिस दिया जाता है कि क्यों न आपको प्रधान, ग्राम पंचायत हडल के पद से निलम्बित कर दिया जाये । आप का स्पष्टीकरण इस नोटिस की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से प्राप्त होना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि आपको उपरोक्त आरोपों के बारे में कुछ नहीं कहना है । दोषारोपण सूची सलग्न है ।

हस्ताक्षरित/-  
जिला पंचायत अधिकारी,  
कांगड़ा स्थित धर्मशाला,  
हिमाचल प्रदेश ।

कार्यालय उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 24 सितम्बर, 2003

संख्या पी0पी0एन0-एम0एन0डी0/2001-5573-5608. —हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 व 131 (4) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम 135 के

अनुसरण में, मैं अली रजा रिजवी, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश, जिला मण्डी की पंचायतों राज संस्थाओं के निम्न विवरणी अनुसार पदाधिकारियों के विवरणिका के कालम 7 में दर्शाए गए कारणों के आधार पर प्राप्त त्याग पत्रों के स्वीकार होने अथवा आकस्मिक रिक्तियां होने की दशा में निम्न पदों को विधिवत रिक्त घोषित करता हूं। रिक्त पदों पर नियमानुसार निर्वाचित पदाधिकारी केवल पंचायत के शेष कार्य-काल तक पदासीन रहेंगे :—

क्रम सं०	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत/ पंचायत समिति का नाम	पद	वार्ड का नाम व संख्या	पदाधिकारी का नाम	पद रिक्त होने का कारण
1	2	3	4	5	6	7
1.	चौतड़ा	पंचायत समिति चौतड़ा	पं० समिति सदस्य	7-गलू	श्रीमती कान्ता देवी	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र
2.	चौतड़ा	उपरीधार	पंच	6-गंगोटी	श्री प्रधान सिंह	नोकरी पर लगने के कारण त्याग-पत्र
3.	चौतड़ा	गलू	पंच	3-दूल-1	श्रीमती यशोदा देवी	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र
4.	चौतड़ा	खुड्डी	पंच	1-गाहरा	श्री गोपाल सिंह	—यथोपरि—
5.	बल्ह	पं० समिति बल्ह	पं० समिति सदस्य	25-हल्वातर	श्री रविन्द्र कुमार	तीसरी सन्तान उत्पन्न होने के कारण त्याग-पत्र
6.	बल्ह	गोडागागल	पंच	1-सिंहन	श्रीमती मधुवाला	—यथोपरि—
7.	बल्ह	बृखमणी	पंच	2-कफलौण	श्री भादर सिंह	—यथोपरि—
8.	धर्मपुर	कून	प्रधान	—	श्रीमती पिगला देवी	त्रिमारी के कारण त्याग- पत्र
9.	धर्मपुर	रसैन (बसन्तपुर)	पंच	5-भटवाण	श्रीमती शीला देवी	मृत्यु के कारण
10.	धर्मपुर	भदेहड़	पंच	3-फतैहल	श्री गुलाब सिंह	—यथोपरि—
11.	धर्मपुर	संधोल	पंच	5-संधोल-1	श्रीमती कला देवी	—यथोपरि—
12.	धर्मपुर	धलारा	पंच	1-धलारा-I	श्रीमती इन्द्रा देवी	तीसरी सन्तान उत्पन्न होने के कारण त्याग-पत्र
13.	धर्मपुर	चौक	पंच	1-धरजोल	श्री राजू राम	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र
14.	धर्मपुर	समौड़	पंच	3-तडून-II	श्री ओम चन्द	—यथोपरि—

1	2	3	4	5	6	7
15.	गोहर	शाला	पंच	4-बखडोग	श्रीमती धनी देवी	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र
16.	गोहर	सेरी	पंच	2-सेरी-I	श्री शिव लाल	-यथोपरि-
17.	सदर	कथियारी	पंच	7-स्वाखरी-3	श्री दुनी चन्द	-यथोपरि-
18.	सदर	कथियारी	पंच	1-कथियारी-I	श्री तुला राम	नौकरी लगने के कारण त्याग-पत्र
19.	सदर	कमांव	पंच	5-कुटाहची	श्री मंगल सिंह	-यथोपरि-
20.	दंग	रोपापधार	पंच	5-भटवाड़	श्रीमती उमिला देवी	तीसरी सन्तान उत्पन्न होने के कारण त्याग-पत्र
21.	दंग	नेरघरवाड़ा उप-प्रधान	—		श्री विनोद कुमार	प्रधान पद पर निर्वाचित होने के कारण त्याग-पत्र
22.	दंग	उरला	पंच	1-रडाहण	श्री भवानी सिंह	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र

मण्डी, 30 सितम्बर, 2003

संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-5726-33.—यह कि इस कार्यालय में प्राप्त सूचना दिनांक 20-5-2003 के अन्तर्गत श्रीमती सुनीता देवी, पंच, ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त तीसरी जीवित सन्तान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्रीमती सुनीता देवी, पंच, ग्राम पंचायत बगैला को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-3579-81, दिनांक 24-5-2003 के अधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये थे, कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाये।

उपरोक्त के सन्दर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित या मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुआ, जबकि नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बगैला से पंचायत अभिलेख पर आधारित जन्म प्रमाण-पत्र दिनांक 19-12-2001 तथा परिवार रजिस्टर अनुसार ग्राम देउलीधार के परिवार संख्या 46 की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों अनुसार श्रीमती सुनीता देवी के ग्राम देउलीधार, ग्राम पंचायत बगैला के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 3-12-2001 को तीसरी सन्तान उत्पन्न होने की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) में वर्णित अयोग्यता की परिधि में आती हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।



ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का अपने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, श्री राजा रिजवी (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुये, जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (1) के अन्तर्गत प्राप्त है, श्रीमती सुनीता देवी, पंच, ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग को तत्काल अपने पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग के वार्ड-3, बगैला-1 के पद को रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डी, 30 सितम्बर, 2003

क्रमांक पी0 सी0 एन0 एम0 एन0 डी0/1001-5734-41.—यह कि इस कार्यालय में प्राप्त सूचना दिनांक 9-4-2003 के अन्तर्गत श्री अमर सिंह, पंच, ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी (हि0 प्र0) के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त तीसरी जीवित सन्तान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के दृष्टिगत श्री अमर सिंह, पंच, ग्राम पंचायत बगैला को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0 एम0 एन0 डी0/2001-1847-49, दिनांक 9-4-2003 के अधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये थे, कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाये।

उपरोक्त के संदर्भ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित या मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुआ, जबकि नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बगैला से पंचायत अभिलेख पर आधारित जन्म प्रमाण-पत्र दिनांक 21-10-2002 तथा परिवार रजिस्टर अनुसार ग्राम धलोग के परिवार संख्या 79 की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों अनुसार श्री अमर सिंह, पंच के ग्राम धलोग, ग्राम पंचायत बगैला के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 13-10-2002 को चौथी सन्तान के उत्पन्न होने की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) में वर्णित अयोग्यता की परिधि में आते हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का अपने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, श्री राजा रिजवी (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0) उन शक्तियों का प्रयोग करते हुये जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अन्तर्गत प्राप्त है, श्री अमर सिंह, पंच, ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग को तत्काल अपने पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूं तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग, के वार्ड-4, बगैला-II के पद को रिक्त घोषित करता हूं।

मण्डी, 30 सितम्बर, 2003

क्रमांक पी0 सी0 एन0 एम0 एन0 डी0/2001-5742-49.—यह कि इस कार्यालय में प्राप्त सूचना दिनांक 20-5-2003 के अन्तर्गत श्रीमती रोशनी देवी, पंच, ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी (हि0 प्र0) के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त तीसरी जीवित सन्तान उत्पन्न हुई है। प्राप्त उक्त सूचना के

दृष्टिगत श्रीमती रोशनी देवी, ग्राम पंचायत बगैला को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस संख्या पी0सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-3582-84 दिनांक 24-5-2003 के अधीन 15 दिन के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये थे, कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत उन्हें पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाए।

उपरोक्त के सदर्थ में उक्त पंचायत पदाधिकारी से कोई स्पष्टीकरण लिखित या मौखिक रूप से प्राप्त नहीं हुआ, जबकि नोटिस में स्पष्ट किया गया था कि स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की दशा में यह माना जाएगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

तथा यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बगैला से पंचायत अभिलेख पर आधारित जन्म प्रमाण-पत्र दिनांक 19-6-2002 तथा परिवार रजिस्टर अनुसार ग्राम देवलीधार के परिवार संख्या 58 की प्राप्त प्रमाणित प्रतियों अनुसार श्रीमती रोशनी देवी के ग्राम देवलीधार, ग्राम पंचायत बगैला के दिनांक 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 28-5-2002 को तीसरी सन्तान के उत्पन्न होने की पुष्टि होती है। इस प्रकार उक्त पंचायत पदाधिकारी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) में वर्णित अयोग्यता की परिधि में आती हैं। यह प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है।

ऊपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी का अपने पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, अली रजा रिजवी (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अन्तर्गत प्राप्त हैं, श्रीमती रोशनी देवी, पंच, ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड, करसोग को तत्काल अपने पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत बगैला, विकास खण्ड करसोग के वार्ड 7 टकरोल के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

अली रजा रिजवी,  
उपायुक्त मण्डी,  
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

अधिसूचना

मण्डी, 18 अक्टूबर, 2003

संख्या पी0सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-6064-70.—जिला मण्डी की पंचायत समिति, द्रंग स्थित पधर के उपाध्यक्ष का पद त्याग-पत्र के कारण दिनांक 16-9-2003 को रिक्त हो चुका था। उपाध्यक्ष के पद का निर्वाचन दिनांक 9-10-2003 को सम्पन्न हो चुका है और उनके निर्वाचन परिणाम प्राधिकृत अधिकारी, उपा-मण्डल अधिकारी (ना0) जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी (हि0 प्र0) द्वारा विहित प्ररूप-42 पर घोषित किया गया है।

अतः मैं, आर0 एम0 गुप्ता, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 126 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम

124 के अनुसूचण में जिला मण्डी की पंचायत समिति, द्रंग स्थित पधर के उपाध्यक्ष का नाम व पता निम्न प्रकार से अधिसूचित करता हूँ :—

निर्विरोध निर्वाचित उपाध्यक्ष का नाम व पता

श्री विजय जमवाल सपुत्र श्री गंगा राम, गांव व डाकघर बल्ह जौली, तहसील जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

आर० एस० गुप्ता,  
उपायुक्त मण्डी,  
जिला मण्डी (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 20 अक्तूबर, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (त्याग-पत्र) 8/2003-13054.—यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कोहवाग को रिपोर्ट अनुसार श्रीमती पार्वती देवी, सदस्या, वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत कोहवाग, विकास खण्ड मशोवरा का देहान्त दिनांक 3-5-2003 को हो चुका है, जो खण्ड विकास अधिकारी, मशोवरा के पत्र संख्या एम० बी० 2003/1667, दिनांक 7-10-2003 के अन्तर्गत इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है और खण्ड विकास अधिकारी, मशोवरा ने ग्राम पंचायत कोहवाग के सदस्य पद को रिक्त करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (4) के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती पार्वती देवी, सदस्या, वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत कोहवाग, विकास खण्ड मशोवरा के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

शिमला, 22 अक्तूबर, 2003

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे)/2002-13081-37.—एतद्वारा श्री गोता राम, प्रधान, ग्राम पंचायत खादर, विकास खण्ड चांपाल, जिला शिमला (हिमाचल प्रदेश) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जो निम्नतः है:—

कोई व्यक्ति पंचायत का पदाधिकारी चुने जाने या होने के लिये निहित होगा, “यदि उसके दो से अधिक जीवित संतान हैं, परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके, यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित संतान हैं, जब तक उसकी उक्त एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती”।

यह कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्यांक 18) 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान भी 8 जून, 2001 से

पूर्णतः प्रभावी होता है, अर्थात् 8 जून, 2001 अथवा इसके पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी की इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक जीवित संतान हैं तथा उक्त प्रावधान के लागू होने के पश्चात् यदि कोई अतिरिक्त संतान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

यह कि श्री रोशन लाल तथा श्याम लाल व अन्य समस्त निवासी ग्राम पंचायत खादर से प्राप्त लिखित शिकायत पर पंचायत निरीक्षक विकास खण्ड चौपाल के माध्यम से जांच/पुष्टि करवाने तथा ग्राम पंचायत खादर के पंचायत अभिलेख परिवार रजिस्टर, जन्म पंजीकरण रजिस्टर तथा राशन कार्ड रजिस्टर ग्राम पंचायत खादर की जांच इस कार्यालय में उपायुक्त महोदय के द्वारा कराने के उपरान्त पाया गया कि उपरोक्त रजिस्ट्रों में कटिंग तथा अन्य अनियमितता पाई गई है जिससे उक्त श्री गीता राम, प्रधान, ग्राम पंचायत खादर की 8-6-2001 के पश्चात् पांच जीवित संतान के होते हुए दिनांक 2-9-2001 को एक और संतान उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप 8-6-2001 के पश्चात् दिनांक 2-9-2001 को उसकी संतानों की संख्या (पांच) दो से अधिक हो गई है जो हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ग) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 2-9-2001 को उसकी पांचवीं संतान पैदा होने के कारण वह उक्त ग्राम पंचायत के प्रधान पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो गये हैं।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (2) तथा 131 (2) के प्रावधान अनुसार उक्त श्री गीता राम, प्रधान, ग्राम पंचायत खादर को निर्देश देता हूँ कि वह इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम के उक्त प्रावधानों अनुसार उनके पद से हटा कर ग्राम पंचायत खादर के प्रधान पद को रिक्त घोषित कर दिया जावे। उनका उत्तर निर्धारित अवधि तक प्राप्त न होने की दशा में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा तदोपरान्त उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही असल में ला कर ग्राम पंचायत खादर के प्रधान का पद रिक्त घोषित कर दिया जायेगा।

कार्यालय आदेश

शिमला, 22 अक्टूबर, 2003

सख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे)/2002-13073-80.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती मीना, सदस्या, ग्राम पंचायत पुजारली (व्योलिया) ने अपनी दूसरी जीवित संतान के होते हुए दिनांक 8-12-2002 को तीसरी संतान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (दो बच्चे)/2002-5556-62 दिनांक 17-9-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती मीना, सदस्या, ग्राम पंचायत पुजारली (व्योलिया) को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती मीना, सदस्या, ग्राम पंचायत पुजारली की तीसरी संतान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2004 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ग) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 8-12-2002 को तीसरी संतान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गई हैं।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती मीना, सदस्या, ग्राम पंचायत, पुजारली को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये अयोग्य घोषित करता हूं तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, पुजारली के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूं कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत पुजारली को सौंप दें।

एस0 के0 बी0 एस0 नेगी,  
उपायुक्त,  
शिमला, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी नाहन, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

### अधिसूचना

नाहन, 19 सितम्बर, 2003

संख्या एफ0डी 0एस0 34-690/77-10-4483-4533.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एफ0डी 0एस0 34-690/77-10-3675-3726 दिनांक 18-7-2003 की निरन्तरता में तथा हि0 प्र0 जमाखोरी एवं मुनाफाखोरी निरीधक आदेश, 1977 की धारा 3(1) (ई) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एम0 एल0 शर्मा, भा0 प्र0 से0, जिला दण्डाधिकारी, जिला सिरमौर स्थित नाहन उक्त अधिसूचना की अनुसूची में दर्ज वस्तुओं के परचून/योक भाव आगामी दो मास तक लागू रखने के आदेश देता हूं।

एम0 एल0 शर्मा,  
जिला दण्डाधिकारी,  
जिला सिरमौर, नाहन।

कार्यालय, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

### कार्यालय आदेश

नाहन, 26 सितम्बर, 2003

संख्या पी0 सी0 एन0-एस0 एम0 आर0 (5) 50 (11)/96.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, पांवटा साहिब द्वारा ग्राम पंचायत फुलपुर के वार्ड नं0 7 फुलपुर शमशेरगढ़-2 की सदस्यता श्रीमती उमिला देवी का त्याग-पत्र 11 जुलाई, 2003 को प्राप्त हुआ है।

अतः मैं, एम एस0 नेगी, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन (हि0 प्र0), हि0 प्र0 पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 (3) तथा हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (2) के अन्तर्गत श्रीमती उमिला देवी, सदस्या, वार्ड नं0 7 फुलपुर शमशेरगढ़-2, ग्राम पंचायत फुलपुर का त्याग-पत्र स्वीकार करता हूं।

एम0 एस0 नेगी,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
जिला सिरमौर, नाहन (हि0 प्र0)।

## कार्यालय उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

## कार्यालय आदेश

नाहन, 27 सितम्बर, 2003

संख्या पी0सी0एन0एस0एम0आर0 (5) 50 (11)/96-8447-55.—यह कि श्री बलवीर सिंह, सदस्य वार्ड नं० 6 सांगना, पंचायत समिति संगड़ाह, जिला सिरमौर, हि० प्र० ने अपना त्याग-पत्र व्यक्तिगत रूप से दिनांक 22-4-2003 को उपस्थित होकर प्रस्तुत किया है।

अतः मैं, एम० एल० शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त जिला सिरमौर, नाहन, (हि० प्र०), हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम, 135 (3) तथा हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130(2) के अन्तर्गत श्री बलवीर सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 6—सांगना, पंचायत समिति संगड़ाह के सदस्य का त्याग-पत्र स्वीकार करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत पंचायत समिति संगड़ाह के वार्ड नं० 6—सांगना के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन, 27 सितम्बर, 2003

संख्या पी०सी०एन०एस०एम०आर० (5) 50 (11)/96-8435-46.—यह कि जिला सिरमौर की निम्न वर्णित ग्राम पंचायतों के प्रदाधिकारियों का मृत्यु हो जाने का सूचना प्राप्त हुई है :—

क्र०सं०	प्रदाधिकारी का नाम	पद	वार्ड सं० व नाम	ग्राम पंचायत का नाम	विकास खण्ड का नाम
1	2	3	4	5	6
1.	श्री बलवीर सिंह	सदस्य	4—चबांहा	नावनी	नाहन
2.	श्री रामचन्द्र	सदस्य	3—रोहाना	सखौली	पांवटा साहिब

अतः मैं, एम० एल० शर्मा भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, (हि० प्र०), हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) के अन्तर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायतों के ऊपर वर्णित वार्ड सदस्यों के पदों को रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन-173001, 18 अक्टूबर, 2003

संख्या पी०सी०एन०एस०एम०आर० (9) 29/98-9054-60.—जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर द्वारा ग्राम पंचायत जयहर, विकास खण्ड पच्छाद, जिला सिरमौर के रिकार्ड/अभिलेखों की जांच दिनांक 30-09-2003 को की गई जिसमें श्री मदन सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत जयहर निम्न आरोपों में संलिप्त पाए गए:—

ग्राम पंचायत जयहर के सामान्य कौश बुक/सहकारी बैंक के बैंक बुक, पास बुक के जांच के दौरान निम्न राशि बैंक से निकाल कर ग्राम पंचायत रोकड़ में दर्ज न कर राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है :—

## आरोप 1:

## सामान्य रोकड़ बही

1.	चैक सं०-ए-2762211	दिनांक 31-10-2002	10000.00
2.	चैक सं०-ए-2762212	दिनांक 22-11-2002	9000.00
3.	चैक सं०-ए-2762217	दिनांक 24-01-2003	1200.00
4.	चैक सं०-ए-2762221	दिनांक 04-03-2003	39500.00
5.	चैक सं०-ए-2762222	दिनांक 28-03-2003	15000.00

74700.00

आरोप 2:

इन्दिरा आवास योजना

1.	चैक सं० 1938679	दिनांक 24-01-2002	4000.00
2.	चैक सं० 1938680	दिनांक 24-07-2002	5000.00
3.	चैक सं० 1938681	दिनांक 24-12-2002	3000.00
4.	ब्याज राशि	दिनांक 10-01-2003	82.00
5.	चैक सं० 1938683	दिनांक 25-03-2003	6000.00
	चैक सं० 1938685	दिनांक 25-03-2003	6000.00
	चैक सं० 1938686	दिनांक 25-03-2003	6000.00
	चैक सं० 1938687	दिनांक 25-03-2003	8000.00
6.	ब्याज राशि	दिनांक शून्य	356.00
7.	अनुदान प्राप्ति	दिनांक शून्य	17000.00
			<hr/>
			55,438.00
			<hr/>

आरोप-3 :

जवाहर रोजगार योजना

1.	चैक सं० 2761129	दिनांक 27-01-2003	15000.00
2.	चैक सं० शून्य	दिनांक 29-01-2003	16535.00
3.	चैक सं० शून्य	दिनांक 29-01-2003	21554.00
4.	चैक सं० 2761130	दिनांक 03-03-2003	10000.00
5.	चैक सं० 2761132	दिनांक 28-03-2003	34000.00
			<hr/>
			97,089.00
			<hr/>

आरोप सं० 1, 2 व 3 में राशि ग्राम पंचायत के खाते से निकासी कर तथा ब्याज राशि का उप-रोक्त रोकड़ बहियों में इन्द्राज न कर प्रधान द्वारा छलहरण व दुरुपयोग किया जाना पाया गया है जिससे ग्राम पंचायत की निधि में होने वाले आय ब्याज की हानि हुई है और इस राशि को जिस प्रयोजन हेतु निकाला गया है उस पर व्यय नहीं किया गया है। निकाली गई राशि का कोई भी अभिलेख रिकार्ड में उपलब्ध नहीं है।

अतः श्री मदन सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत जयहर, विकास खण्ड पच्छाद, ग्राम पंचायत की राशि को निकाल कर निजि प्रयोग में लाये जाने में संलिप्त पाये गए हैं।

अतः मैं, एम०एल० शर्मा, भा०प्र०से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन (हि०प्र०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) तथा हि० प्र० पंचायती राज सामान्य नियम, 1997 के नियम, 142 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मदन सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत जयहर, विकास खण्ड पच्छाद, जिला सिरमौर के पद से तुरन्त निलम्बित करता हूँ क्योंकि उनके पद पर बने रहने से ग्राम पंचायत जयहर के रिकार्ड से छेड़छाड़ व साक्ष्य मिटाने की आशंका है। उन्हें ग्राम पंचायत के किसी भी कार्यवाही में भाग लेने से वर्जित किया जाता है। यदि उनके पास ग्राम पंचायत का कोई भी रिकार्ड है तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को सौंपेंगे।

नाहन-173001, 18 अक्तूबर, 2003

संख्या पी० सी० एन०-एम०एम०आर०(9)51/2002-9062-68.—जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर द्वारा ग्राम पंचायत धार टिकरी, विकास खण्ड पच्छाद, जिला सिरमौर के रिकार्ड/अभिलेखों की

जांच 3-9-2003 को की गई जिसमें श्री दलीप सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत धार टिक्करी निम्न आरोपों में संलिप्त पाए गए ।

ग्राम पंचायत धार टिक्करी के सामान्य कैश बुक/सहकारी बैंक के चेक बुक, पास बुक जांच के दौरान निम्न राशि बैंक से निकाल कर ग्राम पंचायत के रोकड़ में दर्ज न कर राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है :—

#### आरोप-1 :

##### सामान्य रोकड़ बही

1. चेक सं० 2762337 दिनांक 7-12-2002	12050.00
2. चेक सं० 2762338 दिनांक 4-1-2003	96000.00
3. चेक सं० 276339 दिनांक 4-3-2003	30000.00
4. चेक सं० 276340 दिनांक 20-3-2003	20000.00
	<hr/>
	1,58,050.00

#### आरोप-2 :

##### जवाहर ग्रामीण सड़क योजना

1. चेक सं० 816568 दिनांक 23-11-2002	3000.00
2. चेक सं० 816569 दिनांक 3-3-2003	5000.00
	<hr/>
	8000.00

#### आरोप-3 :

##### इन्दिरा आवास योजना

1. चेक सं० 1921196 दिनांक 28-8-2002	4000.00
2. चेक सं० 1921197 दिनांक 28-11-2002	12000.00
3. चेक सं० 1921198 दिनांक 20-1-2003	4000.00
4. चेक सं० 1921199 दिनांक 20-1-2003	6000.00
	<hr/>
	26,000.00

आरोप सं० 1, 2 व 3 में राशि ग्राम पंचायत के खाते से निकासी कर इस राशि का प्रधान द्वारा छलहरण व दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे ग्राम पंचायत के निधि में होने वाले आय ब्याज की हानि हुई है और इस राशि को जिस प्रयोजन हेतु निकाला गया है उस पर व्यय नहीं किया गया। निकाली गई राशि का कोई भी अभिलेख रिकार्ड में उपलब्ध नहीं है।

अतः श्री दलीप सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत धार टिक्करी, ग्राम पंचायत की राशि को निकाल कर निजि प्रयोग करने में संलिप्त पाए गए हैं।



अतः मैं, एम0 एल0 शर्मा, भा0 प्र0 से0, उपायुक्त, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज सामान्य नियम, 1997 के नियम 142 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री दलीप सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत धार टिकरी को उनके पद से तुरन्त निलम्बित करता हूँ, क्योंकि उनके पद पर बने रहने से ग्राम पंचायत धार टिकरी के रिकार्ड से छेड़-छाड़ व साक्ष्य मिटाने की आशंका है, उन्हें ग्राम पंचायत के किसी भी कार्यवाही में भाग लेने से वर्जित किया जाता है। यदि उनके पास ग्राम पंचायत का कोई रिकार्ड है तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को सौंपेंगे।

एम0 एल0 शर्मा,  
उपायुक्त,  
जिला सिरमौर, नाहन (हि0 प्र0)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन (हि0 प्र0)

कार्यालय आदेश

सोलन, 29 सितम्बर, 2003

संख्या सोलन-4-136(पंच)/90-5327-33.—खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार ने अपने पत्र संख्या के0 बी0(पंच)/75-2001-119 दिनांक 16-6-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि ग्राम पंचायत धुन्दन, वार्ड नं0 5, के सदस्य श्री कुलदीप कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत की बैठक दिनांक 17-2-2003, 28-2-2003, 14-3-2003 तथा 29-3-2003 चार बैठकों में अनुपस्थित रहा। इस सम्बन्ध में श्री कुलदीप कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत धुन्दन से पंचायत की बैठकों में अनुपस्थित रहने का कारण मांगा था, परन्तु श्री कुलदीप कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत धुन्दन, वार्ड नं0 5 द्वारा अपने पत्र दिनांक 17-7-2003 जो कि उपायुक्त सोलन, के माध्यम से इस कार्यालय में प्राप्त हुआ है, ग्राम पंचायत धुन्दन के सदस्य पद से त्याग-पत्र देकर उसे स्वीकार करने का अनुरोध किया है। उक्त पत्र स्वीकार करने की सिफारिश खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार द्वारा भी अपने पत्र संख्या के0 बी0(पंच) 75/2001-2878 दिनांक 27-9-2003 के अन्तर्गत की गई है।

अतः मैं, सम्पूर सिंह आजाद (जिला पंचायत अधिकारी) सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज सामान्य नियम, 1997 के नियम 135 (1) व (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री कुलदीप कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत धुन्दन, वार्ड नं0 5, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन (हि0 प्र0) के त्याग-पत्र को स्वीकार करते हुए उपरोक्त वर्णित वार्ड नं0 5 को रिक्त घोषित करता हूँ।

सम्पूर सिंह आजाद,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
सोलन, जिला सोलन,  
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

सोलन, 30 सितम्बर, 2003

संख्या एस0एल0एन0-XII-240(डब)/74-5394-5400.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार, ने अपने कार्यालय पत्र संख्या के0 बी0(पंच)/75-2001-1942 दिनांक 29-7-2003 के साथ ग्राम पंचायत

पारनू का प्रस्ताव संख्या 3, दिनांक 7-5-2003 को प्रति इस कार्यालय को भेजते हुए सूचित किया था कि श्री मनमोहन, सदस्य, वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत पारनू, विकास खण्ड कुनिहार, सम्बन्धी ग्राम पंचायत की लगातार 8 निम्नलिखित बैठकों में पंचायत को सूचित किए बिना अनुपस्थित रहा है, व्योरा बैठकों जिनमें अनुपस्थित रहा:—

दिनांक 23-12-2003, 7-1-2003, 23-1-2003, 7-2-2003, 7-3-2003, 7-4-2003, 23-4-2003, तथा 7-5-2003.

इस सम्बन्ध में श्री मनमोहन, सदस्य, ग्राम पंचायत पारनू, को इस कार्यालय से दिनांक 22-8-2003 को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि क्यों न उनके विरुद्ध कार्यवाही असल में लाई जाए। परन्तु श्री मनमोहन, सदस्य, ग्राम पंचायत पारनू से उनको जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का विहित समय अवधि के भीतर कोई उजर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस सम्बन्ध में उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है तथा उनके विरुद्ध लगाए गए आरोप स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राजेश कुमार (भा० प्र० से०) उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री मनमोहन, सदस्य, वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत पारनू, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को सदस्य पद से पदच्युत करते हुए उपरोक्त सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 30 सितम्बर, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2002.—यह कि श्रीमती गीता देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत भोजनगर, वार्ड नं० 2, विकास खण्ड सोलन (हि० प्र०) के जून, 2001 के उपरान्त दिनांक 2-2-2003 को एक अनिश्चित चौथी सन्तान होने के फलस्वरूप उन्हें इस कार्यवाही द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या सोलन 3-76 (पंच)/2002-4003-08 दिनांक 23-7-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे कि क्यों न उन्हें पंचायती राज अधिनियम की (संशोधित) धारा 122(1) के खण्ड (ण) के अन्तर्गत सदस्य पद पर पदासीन रहने के प्रयोग मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

क्योंकि श्रीमती गीता देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत भोजनगर, वार्ड नं० 2, विकास खण्ड सोलन (हि० प्र०) के कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है और उसमें लगाये गये आरोप सही हैं। पंचायत पदाधिकारियों को दो से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम में लाया गया। परन्तु इस प्रावधान पर असल की छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी। इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायती राज पदाधिकारी जिसके 8 जून, 2001 के पश्चात् दो से अधिक सन्तान उत्पन्न होती है, वह अपने पद पर रहने के अयोग्य है। उपर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्रीमती गीता देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत भोजनगर, वार्ड नं० 2, विकास खण्ड सोलन (हि० प्र०) का सदस्य पद पर पदासीन रहना हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों के प्रदत्त प्रावधान के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, राजेश कुमार (भा० प्र० से०) उपायुक्त सोलन, जिला सोलन (हि० प्र०) उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अधीन प्राप्त हैं, श्रीमती गीता देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत भोजनगर, वार्ड नं० 2, विकास खण्ड सोलन (हि० प्र०) को तत्काल सदस्य पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 131(1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत भोजनगर, वार्ड नं० 2, विकास खण्ड सोलन (हि० प्र०) के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 14 अक्तूबर, 2003

संख्या एस0 एल0 एन0-3-83(पंच)/2003-5737-40.—यह कि श्री सुशील ठाकुर सुपुत्र श्री गीता राम ठाकुर, गाँव बड़ोग, डा0 चण्डी, तहसील अर्की, जिला सोलन ने उपायुक्त सोलन को प्रतिवेदन दिनांक 28-4-2003 को प्रस्तुत किया था जिसमें श्री सुशील ठाकुर द्वारा शिकायत दी थी कि श्री गुरदास राम (सदस्य जिला परिषद्) सुपुत्र श्री नजरु राम, गाँव संघोई, डा0 मांगू, तहसील अर्की, जिला सोलन, दिसम्बर 2000 में जिला परिषद् वार्ड नं0 1 दाड़ला से निर्वाचित हुए हैं। श्री गुरदास राम ने गाँव संघोई, तहसील अर्की में सरकारी भूमि खसरा नं0 92/1, रकबा 3 बीघा, 15 बिस्वा पर अवैध कब्जा कर रखा है जिसकी शिनाख्त में श्री सुशील कुमार ने श्री गुरदास राम का आवेदन पत्र प्रारूप "क" जो कि श्री गुरदास राम द्वारा उपरोक्त भूमि के नियमितकरण के लिए दिनांक 15-8-2002 को भर कर राजस्व विभाग को दिया है, की छाया प्रति शिकायत पत्र के साथ दी है।

यह कि श्री गुरदास राम, सदस्य जिला परिषद् के विरुद्ध सरकारी भूमि पर किए गए कब्जे से सम्बन्धित मामला इस कार्यालय द्वारा दिनांक 12-5-2003 को तहसीलदार अर्की को छानबीन हेतु दिया गया था।

यह कि तहसीलदार अर्की, जिला सोलन ने उपरोक्त अवैध कब्जे सम्बन्धी मामले की छानबीन करने के अन्तर्गत अपनी रिपोर्ट पत्र सं0 अर्की/तह0/रीडर-1/2003-76 दिनांक 29-5-2003 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है कि श्री गुरदास राम पुत्र श्री नजरु, निवासी ग्राम संघोई, डा0 मांगू ने दिनांक 15-8-2002 को उनके कार्यालय में प्रार्थना पत्र भूमि के नियमितकरण हेतु दायर किया है जो उनके कार्यालय पंजीकरण संख्या 125 दिनांक 15-8-2002 के अन्तर्गत दर्ज रजिस्टर किया गया है जिसमें श्री गुरदास राम द्वारा खसरा नं0 92/1 रकबा भूमि 3-15 बीघा मलकीयत सामान सरकार, हिमाचल प्रदेश मकबुजा मालिक व वर्तन वाशिन्दगान देह मुताबिक जमाबन्दी वर्ष 1997-98 वाक्य मौजा संघोई पर अवैध कब्जा के नियमितकरण हेतु प्रार्थना की है। प्रार्थना-पत्र के सत्यापन के बारे में प्रार्थी श्री गुरदास राम द्वारा शपथ पत्र भी साथ लगाया गया है जिसमें श्री गुरदास राम ने घोषणा की है कि प्रार्थना पत्र में दिए गए सभी तथ्य सही हैं। इस प्रकार श्री गुरदास राम ने खसरा नं0 92/1, रकबा 3-15 बीघा मलकीयत सरकार हिमाचल प्रदेश पर अवैध कब्जा कर रखा है।

यह कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ग) में प्रावधान है कि :—

यदि उसने राज्य सरकार, नगरपालिका, पंचायत या सहकारी सोसायटी की या उस द्वारा या उस की ओर से पट्टे पर ली गई या अधिगृहित किसी भूमि का अधिक्रमण किया है, जब तक कि उस तारीख से जिसको उसे उससे बेदखल किया गया है छः वर्ष की अवधि बीत न गई हो या अधिक्रान्ता न रह गया हो पंचायत का पदाधिकारी चुने जाने या होने का निरर्हित होगा।

यह कि उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि श्री गुरदास राम, सदस्य, जिला परिषद् सोलन, वार्ड नं0 1 दाड़ला ने सरकारी भूमि खसरा नं0 92/1, रकबा 3-15 बिघा (उपरोक्त वर्णित) पर अवैध कब्जा कर रखा है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) के प्रावधान अनुसार पंचायत पदाधिकारी होने की अयोग्यता है।

अतः मैं, राजेश कुमार (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) में प्राप्ति है, श्री गुरदास राम, सदस्य जिला परिषद् सोलन, वार्ड नं0 1 दाड़ला को कारण बताओ नोटिस देता हूँ कि क्यों न उन्हें जिला परिषद् की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया जाए। इस सम्बन्ध में उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर इस कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए,

अन्यथा यह समझा जाएगा कि उन्हें इस विषय में कुछ नहीं कहना है और उनके विरुद्ध नियमानुसार एक तरफा कार्रवाई की जाएगी।

राजेश कुमार,  
उपायुक्त सोलन,  
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

ऊना, 30 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-ऊना (निर्वाचन) 38/95-1213-1217.—यह कि हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के मास दिसम्बर, 2000 में सम्पन्न हुये द्वितीय सामान्य निर्वाचन के अन्तर्गत श्रीमती नसीबी देवी विधवा श्री लखमी चन्द, ग्राम पंचायत मलाहत के वार्ड नं० 3 से पंच निर्वाचित हुई थी।

और यह कि उपरोक्त श्रीमती नसीबी देवी पंच, ग्राम पंचायत मलाहत, विकास खण्ड ऊना का निधन दिनांक 18-9-2003 को हो जाने के कारण ग्राम पंचायत मलाहत का वार्ड नं० 3 का पद रिक्त हो गया है।

अतः मैं, रजनीश (भा० प्र० से०), जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), ऊना (हि० प्र०) पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (4) के अन्तर्गत श्रीमती नसीबी देवी, पंच, ग्राम पंचायत मलाहत, वार्ड नं० 3 के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

रजनीश,  
जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत),  
ऊना, जिला ऊना (हि० प्र०)।